

अध्याय - 6 | हैलोऐल्केन तथा हैलोएरीन

QUIZ
PART-08

1. ध्रुवण घूर्णन करने वाले यौगिकों को क्या कहते हैं?

- A. सममित
 B. काइरल
 C. अपध्रुवीय
 D. अध्रुवीय (B)

व्याख्या: काइरल यौगिक समांतर ध्रुवित प्रकाश को घुमा सकते हैं।

2. दाईं दिशा में ध्रुवण घूर्णन को क्या कहते हैं?

- A. लिवोरोटेटरी
 B. डेक्स्ट्रोरोटेटरी
 C. अपारदर्शी
 D. अप्रोपिक (B)

व्याख्या: दाईं ओर घूर्णन करने वाले यौगिक (+) या d कहलाते हैं।

3. बाईं दिशा में प्रकाश को घुमाने वाले यौगिकों का चिह्न क्या है?

- A. (+)
 B. d
 C. l या (-)
 D. n (C)

व्याख्या: वामावर्त घूर्णन करने वाले यौगिक (-) या l कहलाते हैं।

4. असममित कार्बन की पहचान कैसे होती है?

- A. सभी चार समूह समान हों
 B. चारों समूह भिन्न हों
 C. केवल दो समूह भिन्न हों
 D. कोई समूह न हो (B)

व्याख्या: असममित कार्बन वह है जिसके चारों उपसमूह अलग-अलग होते हैं।

5. ऐसे यौगिक जो अपने दर्पण प्रतिबिंब पर अध्यारोपित नहीं हो सकते, क्या कहलाते हैं?

- A. एकाइरल
 B. सममित
 C. काइरल
 D. अपरिक्रियाशील (D)

व्याख्या: अध्यारोपित न होने वाले यौगिक काइरल कहलाते हैं।

6. दर्पण प्रतिबिंब रूपों को क्या कहते हैं?

- A. समावयवी
 B. डायस्टिरियोमर
 C. एनैशियोमर
 D. कार्बोकैटायन (C)

व्याख्या: एनैशियोमर वे यौगिक हैं जो एक-दूसरे के दर्पण प्रतिबिंब होते हैं।

7. बराबर अनुपात में दो प्रतिबिंब-समावयवियों का मिश्रण क्या कहलाता है?

- A. काइरल मिश्रण
 B. रेसमिक मिश्रण
 C. डाइस्टिरियोमर
 D. सममित मिश्रण (B)

व्याख्या: (+) और (-) रूप समान मात्रा में हों तो रेसमिक मिश्रण बनता है।

8. रेसमीकरण में क्या होता है?

- A. तवन्यास अपरिवर्तित रहता है
 B. केवल प्रतिलोमन होता है
 C. दोनों रूपों की घूर्णन क्षमता समाप्त होती है
 D. नया असममित कार्बन बनता है (C)

व्याख्या: दोनो रूप परस्पर घूर्णन को समाप्त कर देते हैं।

9. SN2 अभिक्रिया में उत्पाद का तवन्यास कैसा होता है?

- A. रेसमिक
 B. अपरिवर्तित
 C. उलट (Inversion)
 D. मिश्रित (C)

व्याख्या: पीछे से आक्रमण के कारण तवन्यास का प्रतिलोमन होता है।

10. SN1 अभिक्रिया में तवन्यास कैसा होता है?

- A. केवल उलट
 B. रेसमिक
 C. केवल धारण
 D. कोई परिवर्तन नहीं (B)

व्याख्या: समतल कार्बोकैटायन बनने से दोनों दिशाओं से आक्रमण संभव है, जिससे रेसमीकरण होता है।